विचार प्रवाह

राष्ट्रीय चुनौती बनती बस हड़तालें

त्योहार की आहट के बीच मध्य प्रदेश 2 मार्च 2026 की सुबह एक बड़े ठहराव की ओर बढ़ रहा है–सड़कों पर सन्नाटा होगा और यात्रियों की उम्मीदें अधर में लटकेंगी। मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन ने नई परिवहन नीति के खिलाफ 2 मार्च 2026 को सुबह 6 बजे से प्रदेश के 55 जिलों में अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया है–यदि सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानीं तो करीब 20 हजार बसों के पहिए थम जाएंगे और लाखों यात्री सड़कों पर अटक जाएंगे। निजी ऑपरेटर्स का आरोप है कि पीपीपी मॉडल, सात जोनों में कंपनियों को अधिकार, बढ़ा हुआ टैक्स और बदले परमिट नियम उनके व्यवसाय की कमर तोड़ देंगे। होली से ठीक पहले उठाया गया यह कदम डेढ़ लाख से अधिक यात्रियों को सीधे प्रभावित करेगा। चेतावनी साफ है–क्या सरकार अब भी तत्परता दिखाकर ठोस, समयबद्ध निर्णय ले इस टकराव को टाल पाएगी, या फिर लाखों यात्रियों को सड़कों पर उतरने का इंतज़ार ही करना होगा?

हड़ताल की घोषणा कई दिन पहले हो जाती है, मांगें सार्वजनिक हो जाती हैं, वार्ता के दौर भी चलते हैं, फिर भी अंतिम निर्णय टलता रहता है। यह प्रतीक्षा आखिर किसके हित में है? सरकारें तब तक निर्णायक कदम क्यों नहीं उठातीं जब तक बसें सड़कों से गायब और जनता असहाय न हो जाए? यह कोई नई स्थिति नहीं, बल्कि बार-बार दोहराया जाने वाला पैटर्न है। जब चेतावनी स्पष्ट हो, पर्याप्त समय हो और संभावित नुकसान का अंदाजा भी हो, तब भी निष्क्रियता क्यों बनी रहती है? क्या प्रशासनिक तंत्र त्वरित निर्णय लेने में असमर्थ है या राजनीतिक समीकरण समाधान पर भारी पड़ते हैं? परिणाम हर बार एक जैसा होता है–तय तारीख आते ही परिवहन व्यवस्था चरमरा जाती है और आम आदमी को अपनी जेब और समय दोनों से इसकी कीमत चुकानी पड़ती है।

इस हड़ताल का सीधा और सबसे गहरा असर आमजन पर पड़ेगा। होली पर घर लौटने की तैयारी कर रहे छात्र, शहरों में काम कर रहे कामगार और परिवार से मिलने को उत्सुक लोग अचानक विकल्पहीन हो जाएंगे। बस किराए कई गुना तक बढ़ने की आशंका है, क्योंकि प्राइवेट टैक्सी और अन्य साधन महंगे तथा सीमित हैं। ट्रेनें पहले से भीड़ से जूझ रही हैं, ऐसे में अतिरिक्त दबाव हालात और बिगाड़ेगा। बुजुर्ग, बीमार और आपात स्थिति में यात्रा करने वाले लोग सबसे अधिक परेशान होंगे। छोटे व्यापारी, दिहाड़ी मजदूर और ग्रामीण क्षेत्रों के यात्री, जो बसों पर निर्भर हैं, आर्थिक झटका सहने को मजबूर होंगे। प्रतिदिन लाखों रुपये का अतिरिक्त बोझ जनता पर पड़ेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार थम जाएगी।

यह संकट केवल मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चुनौती बन चुका है। परिवहन जैसे अनिवार्य क्षेत्र में बार-बार की हड़तालें विकासशील भारत की छवि पर सवाल खड़े करती हैं। विकसित देशों में सार्वजनिक परिवहन को आवश्यक सेवा मानकर सख्त कानून लागू हैं, जबकि यहां इसे लगभग सामान्य घटना की तरह लिया जाता है। इससे नीति-निर्माण की प्राथमिकताओं पर संदेह गहराता है। क्या संगठित दबाव समूह आम नागरिक की सुविधा पर भारी पड़ रहे हैं? जब हर राज्य में यही हाल उभर रहा हो, तो स्पष्ट है कि समाधान टुकड़ों में नहीं, व्यापक और संरचनात्मक होना चाहिए। राष्ट्रीय परिवहन नीति अब विकल्प नहीं, अपरिहार्य आवश्यकता है।

हालिया घटनाएं स्थिति की गंभीरता उजागर करती हैं। फरवरी 2026 में राजस्थान में निजी बस हड़ताल से लगभग 35,000 बसें बंद रहीं और 15 लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए; त्योहारों के बीच किराए कई गुना बढ़े और राज्य परिवहन पर भारी दबाव पड़ा। नवंबर 2025 में दक्षिण भारत के छह राज्यों में इंटरस्टेट लग्जरी बसों की हड़ताल से 1,500 से अधिक बसें ठप रहीं और रोज 45,000 यात्री फंसे। तीर्थयात्री और मरीज विशेष रूप से परेशान हुए। जनवरी 2018 में तमिलनाडु में छह दिन चली सरकारी बस कर्मचारियों की हड़ताल ने पूरे राज्य की रफ्तार थाम दी थी। ये उदाहरण साबित करते हैं–चेतावनियां मिलती हैं, संकट दिखता है, फिर भी समाधान आखिरी क्षण तक टलता रहता है।

सरकारों की प्रतीक्षा-नीति के पीछे राजनीतिक दबाव, चुनावी गणित, राजकोषीय बोझ और संगठित लॉबी की ताकत जैसे कारण गिनाए जाते हैं। बस मालिकों के संगठन प्रभावशाली हैं, उनकी मांगों को अनदेखा करना सरल नहीं। त्वरित निर्णय से खजाने पर भार बढ़ने की आशंका टालमटोल को जन्म देती है। पर इस रस्साकशी में सबसे कमजोर कड़ी आम यात्री बनता है–न वह नीति-निर्माण में शामिल, न वार्ता की मेज पर उसकी आवाज़। परिवहन बुनियादी सेवा है; इसे दबाव की रणनीति नहीं बनने देना चाहिए। चेतावनी मिलते ही उच्चस्तरीय समिति, समयबद्ध वार्ता और पारदर्शी संवाद शुरू हों, तो टकराव टल सकता है।

समाधान स्पष्ट हैं, कमी केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। ऐसी संतुलित नीति जरूरी है जो ऑपरेटर्स की आर्थिक चिंता और यात्रियों की सुविधा–दोनों की रक्षा करे। मध्यस्थता तंत्र को संस्थागत बनाया जाए ताकि हड़ताल अंतिम उपाय रहे, पहला नहीं। परमिट, टैक्स और जोन व्यवस्था में बदलाव से पहले व्यापक परामर्श अनिवार्य हो। आवश्यक सेवा संबंधी प्रावधानों पर भी गंभीर विचार हो, जिससे आपात स्थितियों में न्यूनतम सेवाएं जारी रहें। मध्य प्रदेश में अब भी संवाद से राह निकल सकती है; राष्ट्रीय स्तर पर समन्वित परिवहन ढांचा ही भविष्य के संकट रोक सकेगा।

बस हड़तालें केवल आर्थिक विवाद नहीं, बल्कि शासन की संवेदनशीलता की कठोर परीक्षा हैं। जब चेतावनी पहले से मौजूद हो, तब प्रतीक्षा नहीं, त्वरित और निर्णायक कार्रवाई अपेक्षित है। लाखों लोगों की यात्रा, रोज़गार, शिक्षा, व्यापार और उपचार इस व्यवस्था पर निर्भर हैं; इसका ठहराव जनजीवन की रफ्तार रोक देता है। शासन की विश्वसनीयता तभी सिद्ध होगी जब आमजन की सुविधा को सचमुच सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मध्य प्रदेश की प्रस्तावित हड़ताल स्पष्ट संकेत है–यदि अब भी स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो हर त्योहार और हर वर्ष यही संकट दोहराया जाएगा। यात्रियों की पीड़ा को अनदेखा करना अब विकल्प नहीं; साहसिक और संवेदनशील निर्णय ही इस स्थिति से बाहर निकाल सकते हैं।

प्रो. आरके जैन अरिजीत, बड़वानी (मप्र)

अज्ञात बदमाश ने इंदौर से मुंबई जा रही बस पर मारा पत्थर

बस के आगे का कांच टूटा, मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी

इंदौर समाचार सेवकराम चौबे कसरावद मगरखेड़ी.खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम मुंबई आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ग्राम मगरखेड़ी में गुरुवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे एक बस में अज्ञात बदमाश ने अचानक से पत्थर मार दिया जिससे बस का अगला कांच पूरा टूट चुका था घटना का तब पता चला जब बस चालक ने आगे का कांच पूरा टूट गया था और अचानक बस को साइड में लेकर पुलिस को सूचना दी गई ।

वही पत्थर लगने के बाद सीधा बस के अंदर गिरा हुआ था।पत्थर लगते ही अचानक बस में अफरा तफरी का माहौल बन गया।अचानक बस में सवार यात्रियों ने बाहर आकर देखा तो यह घटना उन्हें पता चली थी।जिससे यात्री घबरा गए थे। यह घटना क्षेत्र में पहली बार हुई है ऐसा अभी तक नहीं सुनने में आया था।सूचना मिलते हीं बलकवाड़ा थाना प्रभारी सागर चौहान सहायक उपनिरीक्षक अशोक नैयर मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।वही सूचना पर 112 पुलिस वाहन भी मौके पर पहुंच चुका था।

वही मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी सागर चौहान ने चालक से पूछा था तो उसने यह बताया कि में बस लेकर इंदौर से मुंबई की और जा रहा था।जिसमें करीब पंद्रह सवारी अन्दर बैठी हुई थी तब वही ग्राम मगरखेड़ी में सेंचुरी कंपनी गेट के सामने अचानक चलती बस में बड़ा सा पत्थर अचानक सामने वाले कांच पर लगा जिससे पूरा कांच टूट गया था।आसपास देखने पर भी कोई नहीं मिला तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।यह घटना रात करीब साढ़े ग्यारह बजे की है घटना होते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ भी जमा हो गई थी।

चालक संतोष ठाकुर निवासी नंदविहार कालोनी राऊ द्वारा भी कुछ स्पष्ट रूप से बताया नहीं गया वह बोला मुझे भी नहीं पता कि यह पत्थर कैसे लगा बस को और यह अंदर कैसे आ गया था।बस चलती हुई बस में अचानक कांच टूटकर गिर गया था।

वही दूसरे मामले में इससे एक घंटे पूर्व भी 112 पर इवेंट आया था कि नेशनल हाईवे निमरानी मे भी एक बस पर किसी ने पत्थर मारा था जहां पर बस का साइड क्लास टूट गया था पर वहां भी तलाश करने पर कोई नहीं मिला था तो वह भी बस लेकर मुंबई की और रवाना हो गया था।वही पुलिस द्वारा बस फेंके गए पत्थर को बरामद किया है।

वही दूसरे दिन पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए लेकिन कोई सुराग अभी नहीं मिल पाया है कि आखिर यह पत्थर बस पर कैसे आया था।इसका पुलिस द्वारा पता लगाया जा रहा है।वही थाना प्रभारी सागर चौहान द्वारा बताया कि क्षेत्र में सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं मामले की जांच की जा रही है ।

नर्मदा जयंती महोत्सव के बाद 108 कुण्डीय महायज्ञ आयोजन में नि: शुल्क सेवा दे रहे श्री साईं हॉस्पिटल टीम

आठ दिनों में 600 से अधिक लोगो की जांच करके नि : शुल्क दवाई वितरित की

बड़वाह...नगर में 108 कुण्डीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ और शिव महापुराण कथा का आज अंतिम दिन है7इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है7 प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण और यज्ञ में आहुतियां देकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं7 वही श्री साई हॉस्पिटल के संचालक डॉ. अजय मालवीय है।

वे अपने अस्पताल के माध्यम से चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ नर्मदा परिक्रमा वासियों और साधु-संतों की निश्शुल्क सेवा के लिए भी जाने जाते हैं7डॉ. मालवीय स्थानीय स्तर पर निश्शुल्क स्वास्थ्य शिविरों में भी सक्रिय भागीदारी निभाते हैं7नर्मदा जयंती महोत्सव में सात दिसवीय निः शुल्क सेवा देने के बाद अब नगर में चल रहे 108 कुण्डीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ और शिव महापुराण कथा स्थल पर भी टेंट लगा कर निः शुल्क सेवा दे रहे है7 आठ दिनों में करीब 600 से अधिक श्रद्धालुओ की जाँच करके उन्हें निः शुल्क दवाइया वितरित कर चुके है7 श्री मालवीय ने अपनी टीम को सुबह से शाम तक निः शुल्क सेवा के लिए ड्यूटी लगाई है7 यहा पर मरीजो की जांच के साथ ही आवश्यकता पढने पर उन्हें एम्बुलेंस से रेफर करने की व्यवस्था भी की गई है7 शुक्रवार को कथा में स्वामी रामकृष्णदास जी महाराज ने व्यासपीठ से प्रवचन दिए7 उन्होंने कहा कि संतों का जीवन सत्संगमय होता है और ईश्वर के सभी कार्य न्याय तथा लोककल्याण के लिए होते हैं। स्वामी जी ने भगवान शिव की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि वे अत्यंत दयालु हैं और सच्ची प्रार्थना कभी व्यर्थ के नहीं जाती। श्री निर्मल चैतन्य पुरी जी महाराज जी के सानिध्य में भव्य आयोजन चल रहा है7 शाम 7 बजे काशी गंगा जी कि आरती कि तर्ज पर नर्मदा जी कि आरती हुई जिसमें सेकड़ो महिलाओं सहित भक्तों ने धर्म लाभ लिया। प्रसाद वितरण साथ समापन हुआ। यज्ञ के सत्संकल्पकर्ता स्वामी निर्मल चैतन्य पुरी जी महाराज ने बताया कि यह 108 कुण्डीय महायज्ञ किसी एक यजमान द्वारा नहीं, बल्कि पूरे नगर का सामूहिक आयोजन है। उन्होंने कहा कि हर नगरवासी इसका यजमान है। उन्होंने सभी भक्तों से निर्धारित नियमों का पालन करते हुए यज्ञ में सम्मिलित होने का आह्वान किया।

वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई राणापुर का गठन; यशवी शाह को अध्यक्ष नियुक्त

राणापुर गुरु महेश जैन जिला अध्यक्ष श्रीमती सुनीता बाबेल के मार्गदर्शन एवं अनुशंसा पर वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई राणापुर का विधिवत गठन किया गया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं में भारी उत्साह देखा गया और संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

नई कार्यकारिणी की घोषणा:

संगठन की मजबूती के लिए सर्वसम्मति से पदाधिकारियों की घोषणा की गई, जिसमें श्रीमती यशवी नितेश शाह को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी के अन्य सदस्य इस प्रकार हैं-

उपाध्यक्ष- श्रीमती निकिता हर्ष राठी

कोषाध्यक्ष- श्रीमती प्रिया अमित सियाल

सचिव- श्रीमती भावना प्रतिक कटारिया

सांस्कृतिक सचिव- श्रीमती प्रियंका संजय पोरवाल

खेल प्रभारी- श्रीमती नीलम राहुल अग्रवाल

मीडिया प्रभारी- श्रीमती वर्षा पंकज जागेटिया

कार्यकारिणी सदस्य- श्रीमती ऋषिका गौतम हरसोला, श्रीमती श्रीकुंज नितिन हरसोला, श्रीमती पूजा संदीप राठी एवं श्रीमती पूजा विष्णु पोरवाल।

संबोधन:

जिला अध्यक्ष श्रीमती सुनीता जी बाबेल ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिला इकाई समाज की असली शक्ति है। इसका उद्देश्य सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है।

नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती यशवी नितेश शाह ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी टीम एकजुट होकर महिला सशक्तिकरण और समाज हित के कार्यों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगी।

जनगणना हेतु प्रशिक्षण आयोजित किया गया

बड़वाह। कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी महोदय खरगोन के निर्देशानुसार आज ग्रामीण क्षेत्र बड़वाह एवं सनावद हेतु जनपद सभागृह बड़वाह में अनुविभागीय अधिकारी सत्यनारायण दर्रो, तहसीलदार शिवराम कनासे, नायब तहसीलदार निशा कनाश, बड़वाह जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश जैन के निर्देशन में जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान का सूचीकरण गणना ब्लॉक बनाए जाने के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित किया गया,

जिसमें ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक के द्वारा मकान के नंबरिंग का कार्य एवं गणना ब्लॉक का निर्धारण करना एवं ग्राम का नजरी नक्शा तैयार करने के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित किया गया । प्रशिक्षण मे मुख्य प्रशिक्षक सतविंदर सिंह भाटिया एवं सावन राठौर द्वारा उपरोक्त बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई एवं प्रश्नोत्तर के माध्यम से समस्याएं हल की गई

प्रशिक्षण के दौरान सभी अधिकारियों ने निर्देश दिया कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में आरम्भ से ही सतर्कता रखे और समयसीमा में कार्य को सम्पन्न करावे इस दौरान शाखा प्रभारी गौरी शंकर शर्मा, योगेश शर्मा , कुशल सराफ, मुकेश गोटवाल प्रशिक्षण में उपस्थित रहे।

मत्री नागरसिह चौहान व सासंद अनिता चौहान ने अनेक मांगों के पत्र मुख्यमंत्री को सौंपे

आलीराजपुर में विकास की बड़ी सौगात, मुख्यमंत्री ने मंच से की करोड़ों की घोषणाएं

आलीराजपुर। जिले के प्रवास पर पहुंचे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने जिले की जनहित से जुड़ी अनेक मांगों के पत्र मुख्यमंत्री को सौंपे। मुख्यमंत्री ने सभी मांगों को स्वीकार करते हुए मंच से ही तत्काल घोषणाएं कर दीं।

आजाद नगर (भाभरा) में ऐतिहासिक घोषणाएं–शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली आजाद नगर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ÷आजाद लोक÷ निर्माण की मांग रखी गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस पर तत्काल 5 करोड़ रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। साथ ही रानी काजल माता मंदिर में ÷काजल माता लोक÷ निर्माण हेतु सर्वे कराकर धर्मस्व विभाग के माध्यम से निर्माण कराने की घोषणा भी की गई।

11 सड़कों के निर्माण को हरी झंडी–मुख्यमंत्री ने सोण्डवा, आलीराजपुर, कट्ठीवाड़ा और चन्द्रशेखर आजाद नगर क्षेत्र की कुल 11 सड़कों के निर्माण की घोषणा की। इन मार्गों में पानमुहड़ी-रातड़ मार्ग, अम्बारी-मोरधी-चांदुपर मार्ग, चांदपुर बाजार से मांडाबयड़ा तक, कालीबैल-जामला-मेहणी मार्ग, बरझर मालपुर-भूरापानी मार्ग सहित विभिन्न फलियों को जोड़ने वाले सड़क निर्माण शामिल हैं।

इन सड़कों के निर्माण से दूरस्थ ग्रामीण अंचलों को मुख्य मार्गों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और आवागमन सुगम होगा।

उदयगढ़ कार्यक्रम में सिंचाई और 9 सड़कों की स्वीकृति–उदयगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में जिले के किसानों के हित में बड़ी मांग रखी गई। बताया गया कि नर्मदा नदी का पानी चन्द्रशेखर आजाद परियोजना फाटा में डही सिंचाई परियोजना से भरा जाएगा, लेकिन चन्द्रशेखर आजाद नगर, बोरी और उदयगढ़ के कई गांव अब भी वंचित हैं। मुख्यमंत्री ने इन गांवों में सिंचाई परियोजना का सर्वे कराकर स्वीकृति देने का आश्वासन दिया, जिससे किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिल सकेगा। इसके अलावा उदयगढ़ क्षेत्र में 9 सड़कों–मिर्ची गली से खाड़ा फलिया, बावड़ीखुर्द से विभिन्न फलियों तक, थांदला मेन रोड से अरण्डी फलिया, पोहा मेन रोड से जामली सीमा, सुड़ी बड़ी सीमा से खेड़ा धपाड़ा रातमालिया सहित अन्य मार्गों–के निर्माण को भी मंजूरी दी गई।

कृषि महाविद्यालय खोलने की मांग–जिले के विकास को नई दिशा देने हेतु सांसद अनिता चौहान ने मुख्यमंत्री को आलीराजपुर में कृषि महाविद्यालय खोलने संबंधी मांगपत्र सौंपा। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शीघ्र आवश्यक कार्यवाही का विश्वास दिलाया।

विकास को मिली रफ्तार–मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं से जिले में अधोसंरचना, धार्मिक पर्यटन और कृषि क्षेत्र को नई गति मिलने की उम्मीद है। मंच से की गई त्वरित स्वीकृतियों से जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखा गया।

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

बड़वाह। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडलेश्वर के निर्देशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति बड़वाह के शासकीय प्राथमिक विद्यालय क्रमांक 3 में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जहा प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश एवं तहसील विधिक अध्यक्ष श्री अविनाश शर्मा , न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री वंदना मालवीय उपस्थित रहे। न्यायाधीश द्वारा बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा गया और विद्यालय में होने वाले मध्यान भोजन की जानकारी ली । बच्चों को नशे से दूर रहने की सलाह दी एवं आगामी होने वाली परीक्षाओं की शुभकामनाएं भी बच्चों को दी गई । इस शिविर मे पैरालीगल वॉलिंटियर कु. प्राची सोनी, नाजीर प्रदीप पराशर, प्राचार्य कुसुम बामनिया उपस्थित थे।

पारंपरिक वेषभूषा, आभूषण और मांडल की थाप में रचा-बसा भगोरिया उत्सव

आलीराजपुर। फाल्गुन मास के रंगों, मांडल की थाप और जीवन-प्रेम की उमंग से सराबोर भगोरिया पर्व जनजातीय संस्कृति, सामाजिक स्नेह और परंपरागत जीवन मूल्यों का जीवंत उत्सव है। पर्व स्थल पर पारंपरिक लोकधुनों, नृत्य और उल्लासपूर्ण वातावरण ने सम्पूर्ण क्षेत्र को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। आलीराजपुर जिले के उदयगढ़ में आयोजित स्थानीय भगोरिया पर्व में डॉ. मोहन यादव की सहभागिता से उत्सव का उल्लास और अधिक बढ़ गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर, अन्य प्रशासनिक अधिकारियों, जनजातीय समाज एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का मंत्री अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागरसिंह ने जनजातीय संस्कृति के प्रतीक तीर कमान भेंट किया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। मंत्री श्री द्वारा मंच से सभी को राष्ट्रीय पर्व भगोरिया की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि 28 गांवों के अंदर मां नर्मदा का जल पहुंचने के लिए सर्वे करने की जो मांग रखी थी वह मंजूर की गई। उन्होंने यह भी कहा कि आज जननायक चंद्रशेखर की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके स्मृति स्थल भाबरा जाने का अवसर प्राप्त हुआ, जिससे हम गौरांवित हुए। भगोरिया उत्सव में जनजातीय युवक-युवतियां रंग-बिरंगी पारंपरिक वेषभूषा में सजे-धजे दिखाई दिए। पुरुष वर्ग पारंपरिक धोती, अंगोछा एवं साफा धारण किए हुए थे, जबकि महिलाएं कांचली, घाघरा, ओढ़नी तथा पारंपरिक कढ़ाईयुक्त परिधानों में सुसज्जित रहीं।

चांदी के हार, हांसली, कड़े, पायल, बिछिया एवं अन्य पारंपरिक आभूषणों की झंकार ने पर्व की शोभा और आकर्षण को और बढ़ाया। मांडल, ढोल एवं अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप पर कुर्ता कुर्राटियों के साथ लोकनृत्य करते जनजातीय समाज, सामूहिक उल्लास और आपसी मेल-जोल ने भगोरिया के माहौल को जीवंत एवं स्मरणीय बना दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मंच के माध्यम से सभा को संबोधित किया गया। उन्होंने कहा कि भगोरिया पर्व जनजातीय संस्कृति, प्रेम और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। मध्यप्रदेश सरकार जनजातीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। विरासत को विकास की राह पर ले जाने के संकल्प के साथ इस उल्लासमय पर्व को गरिमा और भव्यता के साथ मनाया गया।